



GENERAL SCIENCE EXPLANATION (TEST : 02)

DATE : 7 Nov, 2019/TIME : 2:45 pm

1. (d) अंतःस्रावी ग्रन्थियाँ हार्मोन का स्रावण करती हैं और ये नलिका विहीन होती हैं। बहिस्रावी ग्रन्थि द्वारा एंजाइम का स्रावण किया जाता है और यह नलिका युक्त होती है। अग्नाशय एक मिश्रित ग्रन्थि है। मिश्रित ग्रन्थियाँ एंजाइम और हार्मोन दोनों का स्रावण करती हैं।
2. (c) इस शाखा के अंतर्गत मानव जाति का अध्ययन होता है। इस शाखा के अंतर्गत जीवों की जातियों के विभिन्नों का अध्ययन होता है। नीद का अध्ययन हिपोलॉजी में किया जाता है। वर्तमान समय में अंतःस्रावी ग्रन्थि और हार्मोन का अध्ययन न्यूरोइण्डो क्राइनोलॉजी में किया जाता है।
3. (c) पीयूष ग्रन्थि कपाल के स्फेनॉयड अस्थि में धूँसी होती है, जो हाइपोथैलेमस भाग से जुड़ी रहती है। यह सबसे छोटी अंतःस्रावी ग्रन्थि है। जबकि रूधिर में कैल्शियम की मात्रा अधिक होने पर कैल्सटोनिन नामक हार्मोन मुक्त होता है।
4. (a) प्रौढ़ावस्था में सोमैटोट्रापिक हार्मोन की कमी से साइमण्ड नामक रोग होता है। एड्रीनोकार्टिको ट्रापिक हार्मोन एड्रीनल कार्टेक्स के स्राव को नियन्त्रित करता है। ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन- यह हार्मोन अकेले क्रियाशील नहीं होता है, अण्डाशय द्वारा निकाले गये एस्ट्रोजेन हार्मोन के साथ मिलकर के अण्डाशय पर क्रियाशील होता है। बैसोप्रेसिन, हार्मोन को एण्टीडाईयूरेटिक हार्मोन कहते हैं, यह नेफ्रॉन पर क्रियाशील होता है।
5. (c) आयोडीन की कमी से क्रोटिनिज्म नामक बीमारी होती है जिससे बच्चे का मानसिक विकास नहीं होता है। आयोडीन की कमी से मैक्सीडेमा नामक बीमारी होती है जिससे लम्बाई नहीं बढ़ती है। थायराक्सिन की अधिकता से एक्सोथैलमिक नामक बीमारी होती है जिससे थायराइड ग्रन्थि में सूजन आ जाती है।
6. (b) पैराथाइराइड ग्रन्थि-इस ग्रन्थि द्वारा पैराथारमोन थाइराइड हार्मोन/PTH निकाला जाता है, जो भोजन से कैल्शियम के अवशोषण के लिए जिम्मेदार है। इसकी कमी से रक्त में कैल्शियम की कमी हो जाती है और फास्फेट की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे माँस पेशियों में ऐठन होता है। पैराथाइराइड की अधिकता से अस्थिभंगुस्ता, आस्टियो मेलेशिया रोग उत्पन्न होता है। इसमें हड्डियाँ कमजोर हो जाती हैं।
7. (b) एस्ट्रोजेन हार्मोन स्त्रियों में परिपक्वता काल (11-12 वर्ष) में अण्डाशय द्वारा निकाला जाता है। यह स्त्रियों में द्वितीयक लैंगिक लक्षण उत्पन्न करता है। टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन वृषण द्वारा परिपक्वता काल (12-13 वर्ष) में निकाला जाता है। पुरुषों में द्वितीयक लैंगिक लक्षण उत्पन्न करता है तथा शुक्राणु के निर्माण को प्रेरित करता है। एड्रीनेलिन हार्मोन को आपात कालीन हार्मोन कहते हैं। एड्रीनेलिन हार्मोन स्त्री एवं पुरुष में लैंगिक लक्षण प्रकट करता है।

8. (c) ऑक्सिन्स हार्मोन पादन हार्मोन है, जो पौधों की वृद्धि को नियंत्रित करता है। प्रोलैटिन हार्मोन स्त्रियों में क्रियाशील हार्मोन है, यह परिपक्वता काल के पहले ही दुग्ध ग्रन्थियों के निर्माण के लिए आवश्यक हार्मोन होता है। फोलिकल स्टमुलेटिंग हार्मोन अण्डवाहिनीय Fallopiontube पर क्रियाशील होता है तथा उसे सक्रिय बनाए रखने में सहायता करता है। ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन अकेले क्रियाशील नहीं होता बल्कि एस्ट्रोजन हार्मोन के साथ मिलकर के अण्डाशय पर क्रियाशील होता है।
9. (b) थायरॉक्सिन की अधिकता के कारण ग्रेब्स रोग होता है, इस रोग में कभी-कभी आँख की रोशनी समाप्त हो जाती है और आँख की पुतलियाँ बाहर निकल जाती हैं।
10. (a) थाइमस ग्रन्थि वक्ष भाग में हृदय के बगल में स्थित होती है। बल्यावस्था में थायमस ग्रन्थि आकार में बड़ी होती है तथा वृद्धावस्था आते-आते यह ग्रन्थि समाप्त हो जाती है।



ANSWER KEY

GEOGRAPHY, 7 Nov, 2019 (Test-2)

1.	(d)	2.	(c)	3.	(c)	4.	(a)	5.	(c)	6.	(b)	7.	(b)	8.	(c)	9.	(b)	10.	(a)
----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	-----	-----